04DD 527411

17672
3/12/04

1.	किस्म वसीका	:	बयनामा
2.	गांव / शहर का नाम	:	पथरेडी
3.	रकबा	:	15 कनाल 5 मरला
4.	किस्म अराजी	:	चाही
5.	मालियति	:	मुब0 9,33,000 / — रूपये
6.	स्टाम्प मालियति	:	मुब0 56,000 / — रूपये
7.	स्टाम्प नं0 / तारीख	:	13172 / 03.12.2004
8.	संख्या शब्द	:	04 / 450

मनके श्री जगत सिंह राणा पुत्र श्री कबूल सिंह पुत्र श्री हर नारायण निवासी मकान नम्बर 194, गांव बिजवासन, नई दिल्ली का हूँ। जो कि मैं आराजी जरई मुस्ततील नं0 28 कीला नम्बर 5 / 2(7—11), 6(8—0), 15(8—0), 16 / 2(10—0), व मुस्ततील नं0 29 कीला नं0 1 / 2(7—11), 10(8—0), किता 6 रकबा 49 कनाल 2 मरला का 2 / 3 भाग पहले ही इसी खरीदारा को बजरिये बयनामा वसीका नम्बरान 15475 दिनांक 27.10.2004 व 16806 दिनांक 19.11.2004 की रूह से बेच

भारतीय गैर न्यायिक
INDIA NON JUDICIAL
RUPEES 25000 रुपये
पच्चीस हज़ार रुपये

04DD 527410

चुका हू अब बकाया 1/3 भाग बकदर 16 कनाल 8 मरले वाका सिवाना मौजा पथरेडी, तह0 व जिला गुडगांव का मालिक व काबिज बरूवे तकसीम इंतकाल नम्बर 2862 मंजूर शुदा दिनांक 11.03.2004 की रूह से हूँ। जो कि उपरोक्त रकबा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैर सरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट स्कीम में है, ना ही सरपलस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम कोई कोर्ट डिकी आज से पहले की है। यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। अब मुझ विक्रेता को बराये तरक्की दीगर जायदाद व घरेलू खर्च वास्ते रूपयो

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपनी उपरोक्त आराजी रकबा 16 कनाल 8 मरले मे से 1 कनाल 3 मरला (3 करम x 70 करम), मुस्ततील नं0 29 कीला नंम्बरान 1/2 व 10 मे से पूर्व की तरफ छोड कर बाकी बचा हुआ रकबा 15 कनाल 5 मरला को मय सर्व अधिकार सहित व हकूक दाखिली खारिजी के बदले मुब0 9,33,000/– रूपये (नौ लाख तैंतीस हजार रूपये केवल) आधे जिनके मुब0 4,66,500/– रूपये होते हैं बहकः श्रीमति अमिता कोचर पत्नी श्री संदीप सिंह कोचर निवासी बी.–7/104ए., सफदरजंग इन्क्लेव एक्सटेंशन, नई दिल्ली को बय व फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय मुब0 9,33,000/– रूपये (नौ लाख तैंतीस हजार रूपये केवल) खरीदारा से रोबरू गवाहान बजरिये चैक नम्बर 117761 दिनांक 03.12.2004 जारीकर्ता एच.डी.एफ.सी. बैंक लि0, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिए है। अब मजकूर खरीदारा के जिम्मे किसी

1000Rs.

किस्म का कोई लेन देन बाकी नही रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदारा को रकबा 15 कनाल 5 मरला पर देकर पूर्ण रूप से अपने जैसी मालिका वा काबिजा बना दी है। मजकूर खरीदारा आराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे मुझ विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नही होगा। मैं विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदारा के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा दूंगा। अगर मैं विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदारा के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पाउं तो मजकूर खरीदारा को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें मुझ विक्रेता को किसी किस्म का कोई उजर एतराज ना होगा। यह कि यदि विक्रय अराजी की बाबत आज से पहले जो भी सरकारी या गैर सरकारी देनदारी होगी उन सबको मैं विक्रेता चुकता करने का पाबन्द रहूंगा। आज के बाद जो भी सरकारी गैर सरकारी देनदारी होगी उन

Scanned with OKEN Scanner

सबको खरीदारा स्वयं चुकता करने की पाबन्द रहेगी। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदारा से निकल जावेगा तो मै विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत का जिम्मेवार रहूंगा। अब मेरा व मेरे वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नही रहा है। मैं व मेरे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेगें। तमाम रजिस्टरी खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदारान ने अपनी तरफ से किया है। अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढवा कर, सुनकर हाजिरी गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे। तहरीर तारीख : 3/12/04

3/12/04

Drafted By
RAJBIR SINGH
Advocate, Gurgaon

बाया :
जगत सिंह राणा

खरीदारा
Amita Kochar

गवाह 1:

Dhirendra Singh Sahrawat
Advocate
GURGAON

गवाह 2:

Rajpal S/o Sh. Phop Singh
Mowll. Pukhar Pur
Teh. & Distt. Gurgaon

This is the Part of No.

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
17672	2004-2005	1

विक्रेता

क्रेता

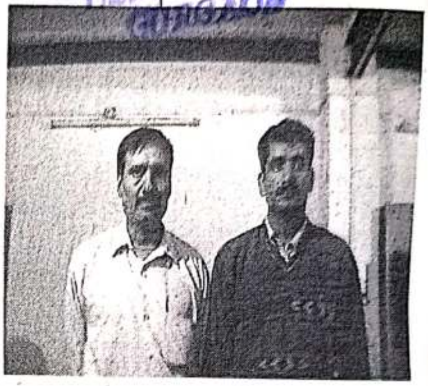

गवाह

विक्रेता :- Jagat Singh Rana

क्रेता :- Amita Kochhar

गवाह :- D.S.Sehrawat Rajpal

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख कमाक 17,672 आज दिनॉक 03/12/2004 को बही नः 1 जिल्द नः 7,595 प्रष्ठ नः 23 पर पॅजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 220 के प्रष्ठ सख्या 37 से 38 पर चिपकाई गयी।

दिनॉक 03/12/2004

उप / सयुॅक्त पॅजीयन अधिकारी
गुडगांवा

Scanned with OKEN Scanner